०२/९/२२ आज यह प्रा०पत्र पत्रावली मूल वाद के साथ पेश हुई। चूंकि आज प्रार्थी की मूल दावा पत्रावली नोट प्रेस में खारिज की जा चुकी है। अब इस प्रा०पत्र पत्रावली का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अतः यह प्रा०पत्र ९/२ पत्रावली भी नोट प्रेस में खारिज की जाती है। पत्रावली की इण्ट्रिम कार्यवाही इसी स्तर पर ड्रोप की जाती है। पूर्व में जारी अन्तरिम स्थगन आदेश निरस्त किये जाते है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तकमील संलग्न मूल दावा पत्रावली रहे। सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Badgujar
Date: 2022.11.22 15:46:22 IST
Reason: SelfAttested